

26/8/21 पत्रावली के अंतर्गत वकील वारी उपर पत्रावली वारी
जबकि अध्यापी गज मं विनांक 08-10-21 का
पेरा है।

8.10.21 न उप/अनु/जरीत प्राप्ति/आवृत्ति
अनु/पत्रावली वीरन अपास्त में पेरा
हुवा पत्रावली में वारी वारी की गयी। परन्तु
राजीना वारी में अपास्त वारी संबंधित
न्यायालय का पंक्ति नंबर प्राप्ति/पत्रावली
दिनांक...20.05.22 का पेरा है।

3.3.22 पत्रावली पेरा हुवा वकील वारी उपर
पत्रावली वारी जबकि अध्यापी गज विनांक 20.04.22
का पेरा है।

21.04.22 पत्रावली पेरा हुवा वकील उपर 3000.
पत्रावली वारी जबकि अध्यापी गज हेतु दिनांक
30.05.22 का पेरा है।

30.05.22 पत्रावली पेरा हुवा वकील वारी 3000।
वकील वारी ने उपर पर पेरा मर विवेक
किया कि वारी का प्रसिद्धी गज का राजीनामा
ही गज है जो वारी विवाद नहीं है पत्रावली इसी
दरजे पर सिद्ध। अपास्त करना था वारी पत्रावली
का अपास्त वीरन अपास्त किया गया वकील वारी
में विवेक का प्रयोग किया जाकर पुनः नया गज
पेरा करनी की सुझाव का समय इस दफ्तर में इसी
दरजे पर सिद्ध। अपास्त किया जाकर ही पत्रावली
नया है जो नया वीरन दफ्तर दफ्तर है।